समिट से पहले ही एक लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए

● भोपाल/ विशेष संवाददाता

उज्जैन में एक मार्च को व्यापार मेले का शुभारंभ होगा। मेले के पहले दो दिन यानी एक और दो मार्च को इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाएगा। सरकार ने इसकी तैयारियां तेज कर दी हैं। इन्वेस्टर्स समिट में देश भर से एक हजार उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया है।

सूत्रों का कहना है कि उद्योगपतियों की ओर से मप्र में एक लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव आ चुके हैं। इस बार समिट में सरकार का फोकस उद्योगपतियों के साथ निवेश के लिए सिर्फ एमओयू साइन करने पर नहीं है। सरकार की कोशिश है कि समिट के दौरान ऐसे फैसले हों की धरातल पर उद्योग आकार लेते नजर आएं। मसलन, किसी उद्योगपति को जमीन आवंटित हो गई है, तो फैक्टरी के निर्माण को लेकर तत्काल निर्णय हो। यदि कोई निवेशक फैक्टरी का निर्माण कर चुका है, तो मौके पर ही उत्पादन को लेकर फैसला हो जाए। समिट के दौरान मौके पर ही उद्योगों के भूमिपूजन व लोकार्पण की तैयारी की जा रही है।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव भी होगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप समिट के दौरान एक और दो मार्च को रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव भी आयोजित की जाएगी। यह कॉन्क्लेव मालवा-निमाड़ अंचल स्पेसिफिक होगी। इसमें कृषि, डेयरी और फार्मा क्षेत्र में निवेश को लेकर एमओयू किए जाएंगे। विशेष बात यह है कि इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में मौके पर ही 169 उद्योगपतियों को 6774 करोड़ की भूमि आवंटित की जाएगी। उज्जैन में कुल 8000 करोड़ से अधिक के कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास होगा। जिससे 12 हजार से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त हो सकेगा। प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र में भी भूमिपूजन के कार्यक्रम आयोजित होंगे। कलेक्टर उज्जैन नीरज कुमार सिंह ने बताया कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में अभी तक 662 बायर द्वारा और 2551 सेलर द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया गया है। देश में आईटी सेक्टर्स के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में यूएसए, फिजी, मंगोलिया के गवर्मेंट डेलीगेशन और जापान, जर्मनी के बिजनेस डेलिगेट्स शामिल होंगे।